

मंथन

बस टर्मिनलों का कायाकल्प शहरी विकास को नई दिशा

झारखण्ड की राजधानी रांची के तीनों प्रमुख बस टर्मिनलों-आइटीआई बस स्टैड, सरकारी बस डिपो और बिरसा मुंदा बस टर्मिनल खालीदारों का आधिकारी शहर के शहरी ढांचे में एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिए गए निर्देश और नगर विकास मंत्री सुविधा कुमार द्वारा 48.72 करोड़ रुपये की स्वीकृति इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार अब यात्राओं का व्यवस्था और यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता दे रही है। इन टर्मिनलों के जींजोंद्वारा के बाद न केवल राजधानी रांची की सूखर बदलेंगे, बल्कि यात्रियों को राजधानी स्टर्टर, पाकिंग, शौचालय, साफ-सुचरान द्वारा 31 मई 2011 को आरंभित सेना से संसाधन खालीदारों में सुना था। मैं अब यह कह सकता हूं कि एक ऐसा संगठन जिसने खुद को केवल मानवता और राष्ट्र को समर्पित कर दिया, मैं सेना को नौकरी में होने के कारण इस संगठन के कार्यों से अनियन्त्रित रहा। ऐसे नहीं, कि मैंने अपने सेना के सेवाकाल में, इस संगठन के कार्यों का अनुभव नहीं किया। यह कह सकता है कि, यह निःस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले, शरीरी स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता हैं।

नजरिया

सारंडा में होती नक्सली हिंसा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती

चाँदीवासा के सारंडा जंगल में एक बार फिर नक्सली हिंसा ने सुख्ती बलों को निशान बनाया है। आईईडी विस्टोट में सीआरपीएफ की 60वीं बटालियन के हड़ कांस्टेबल मरण लक्षण से आधिकारी पांडे, जबकि दो अन्य जवान घायल हुए। यह घटना एक बड़ा बदलाव की कहानी है, जिसके बाद उस सत्त संघर्ष की याद दिलाती है जो राज्य और केंद्र सुख्ती के बस टर्मिनल राज्य के अन्य जिलों के लिए भी एक मिशन बन सकते हैं। यह पहले केवल दांचांगत के सम्बन्ध में सुख्ती और यात्रियों की सुविधा को प्रतीक है-जो विस्तों भी उभरते हुए सरकार के लिए आशयक है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विकास का विजन धीरे-धीरे अब समर्पित आहा।

आरएसएस से संबंध और अलौकिक अनुभव

लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) विष्णु कांत चतुर्वेदी

**आरएसएस
मानवता और राष्ट्र
निर्माण को समर्पित
एक देशवापी
संगठन**



मैं आपनी अद्भुत अनुभूति को इसलिए लिख रहा हूं कि जिनके मीं हृदय में आरएसएस के बारे में आतिथ्य है, वो अवश्य ही इस संगठन से जुँग, सभी आतिथ्य दूर हो जाएंगी, और नवीन ऊँचा का निर्माण होगा, जो राष्ट्र और व्यावित के निर्माण में साथक होगी।

हो चुका है बहुत ही उत्कृष्ट और अकल्पनीय कार्य हो रहा है। मैं अत्यधिक दृष्टिकोण की तरफ में आप सब का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, इस संगठन में जब आप पूरी तरह से रम्य जाते हैं तो आप को स्वयं यह अनुभव होता है कि आप राष्ट्र के सबसे शिक्षित, अनुभवी और त्याग महापुरुषों के बीच में हैं। सभी पढ़-लिखे हैं, अनुभवी हैं और यह सभी अनुभव केवल उपस्थितों से न होकर, जीवन पर जाने से, लोगों से मिल कर, स्वयं अनुभव करके और कुछ प्रतिष्ठित और जीवन आपके बालों से चर्चा करके प्राप्त होता है। सावा जीवन उच्च विचार का चरित्रात्मक करते हुए, यह संगठन और स्वयंसेवक कमी भी, श्रेय लेने को मुखर नहीं रहते, ब्रेय लेना उनका व्यक्तित्व नहीं।

मेरा सोचा रहा कि जाने अनन्दन में ही बही में इस संगठन से जुँग गया, मैं स्वयं खुद का गोपनीयों का अनुभव नहीं किया। यह कह सकता है कि, यह निःस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले, शरीरी स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता हैं। सेवानिवृति के बाद, मुझे इस संगठन के कुछ कार्यकर्ताओं में भाग लेने का मात्रा मिला, इसमें मुझे एक अप्राप्यतात्मक सुख का अनुभव हुआ। धीरे-धीरे, मैं आरएसएस की कार्यकर्ताओं में पूरी तरह सम गया, मैं सेवे के माध्यम से व्यवस्था और बलिदान के कारण ही संभव हुआ है। मैं स्वयं एक सेविक हूं, और निस्वार्थ सेवा, सेवा परमाधर्म, त्याग, बलिदान की अर्थ भली-भाली समझता हूं, लेकिन कभी जो राष्ट्र, प्रथम की जीवन की वालों और जड़ों के बीच व्यवस्था करने के लिए यह घटना बताती है जो वहाँ मूल रूप से जिनको मैं सेना में रहते हुए पूर्णरूप स्वीकार कर चुका था। इसलिए मुझे सभी में फिर से अपनापन लाने लगा और मैं प्राकृतिक रूप से इस परिवार का एक छोटा सा हिस्सा बन गया। मैं पूर्ण रूप से अश्वरत हूं और पूरे विश्वक के साथ करना चाहता हूं कि आरएसएस की स्थापना दौरीय संघर्षों के बीच व्यवस्था और बलिदान के साथकी की आयु में निवेदित करती है। अक्सर देखा जाता है कि इस तरह की परिवर्जना टेंडर और ठेके की प्रक्रिया में वर्षों तक अटकी रह जाती है। यदि सरकार सचमुच इस संकल्प को शोरी कियाकर्ता रह सकते हैं तो यह विकास का एक अद्यतीत कर सकते हैं रोंगी के बाद राज्य के अन्य जिलों के लिए भी एक मिशन बन सकते हैं। यह घटना के बाद सुख्ती और यात्रियों की सुविधा को प्रतीक है-जो विस्तों भी उभरते हुए सरकार के लिए आशयक है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विकास का विजन धीरे-धीरे अब समर्पित आहा।

आज का इतिहास

1792: ब्लाइट हाउस की नींव रखी गई। 1800 से अमेरिका के राष्ट्रपति का आवास है। 1911: स्वामी विवाननंद जी शिष्या मार्गेट एलिजाबेथ नोबेल यात्री सिस्टर निवेदिता का मार्ग 43 वर्ष में आयु में निवेदित। 1943: इटली ने जिम्बाब्वे के खिलाफ युद्ध की घोषणा की। 1976: बोलिविया में 'बोइंग 707' रिहाइशी इलाके में गिरने से कई लोगों की मौत। 1987: रूपलते हेंदे के सबसे चमकदार सितारों में शुभारंग किशार का निधन। 1999: अटल बिहारी वाडोंगी की विवाह दिन, वर्ष 1925 में इसकी की स्थापना परम पूजनीय डा. केशव बलिशम हेंदे गवर्नर द्वारा नहीं की जाती तो हमारी प्रिय भारत का भवित्व यहाँ होता रहा। इनमें से अपने एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों दोनों एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों। 1976: बोलिविया में 'बोइंग 707' रिहाइशी इलाके में गिरने से कई लोगों की मौत। 1987: रूपलते हेंदे के सबसे चमकदार सितारों में शुभारंग किशार का निधन। 1999: अटल बिहारी वाडोंगी की विवाह दिन, वर्ष 1925 में इसकी की स्थापना परम पूजनीय डा. केशव बलिशम हेंदे गवर्नर द्वारा नहीं की जाती तो हमारी प्रिय भारत का भवित्व यहाँ होता रहा। इनमें से एक दूसरे से अपने एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों दोनों एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों। 1976: इनमें से एक पथर एकदम गोल-पटोल, विकाना और अत्यंत अकार्यक था जबकि दूसरा पथर बिना किसी निवित आकार के, खुराक का अकार्यक था। एक दूसरे पथर के लिए संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया। दोनों ने मंच पर एक-दूसरे को गले लालका इस पल को यादगार बना दिया। वहाँ 'किल' ने बेस्ट डेब्यू में बेस्ट डेब्यू में लक्ष्य लालका की वाली दिलायी। यह घटना विवरणीय रूप से पूर्णरूप स्वीकार करने के लिए एक दूसरे से अपने एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों दोनों एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों। 1976: इनमें से एक पथर एकदम गोल-पटोल, विकाना और अत्यंत अकार्यक था जबकि दूसरा पथर बिना किसी निवित आकार के, खुराक का अकार्यक था। एक दूसरे पथर ने विकाने के प्रदान करने के लिए एक दूसरे से अपने एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों दोनों एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों। 1976: इनमें से एक पथर एकदम गोल-पटोल, विकाना और अत्यंत अकार्यक था जबकि दूसरा पथर बिना किसी निवित आकार के, खुराक का अकार्यक था। एक दूसरे पथर ने विकाने के प्रदान करने के लिए एक दूसरे से अपने एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों दोनों एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों। 1976: इनमें से एक पथर एकदम गोल-पटोल, विकाना और अत्यंत अकार्यक था जबकि दूसरा पथर बिना किसी निवित आकार के, खुराक का अकार्यक था। एक दूसरे पथर ने विकाने के प्रदान करने के लिए एक दूसरे से अपने एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों दोनों एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों। 1976: इनमें से एक पथर एकदम गोल-पटोल, विकाना और अत्यंत अकार्यक था जबकि दूसरा पथर बिना किसी निवित आकार के, खुराक का अकार्यक था। एक दूसरे पथर ने विकाने के प्रदान करने के लिए एक दूसरे से अपने एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों दोनों एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों। 1976: इनमें से एक पथर एकदम गोल-पटोल, विकाना और अत्यंत अकार्यक था जबकि दूसरा पथर बिना किसी निवित आकार के, खुराक का अकार्यक था। एक दूसरे पथर ने विकाने के प्रदान करने के लिए एक दूसरे से अपने एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों दोनों एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों। 1976: इनमें से एक पथर एकदम गोल-पटोल, विकाना और अत्यंत अकार्यक था जबकि दूसरा पथर बिना किसी निवित आकार के, खुराक का अकार्यक था। एक दूसरे पथर ने विकाने के प्रदान करने के लिए एक दूसरे से अपने एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों दोनों एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों। 1976: इनमें से एक पथर एकदम गोल-पटोल, विकाना और अत्यंत अकार्यक था जबकि दूसरा पथर बिना किसी निवित आकार के, खुराक का अकार्यक था। एक दूसरे पथर ने विकाने के प्रदान करने के लिए एक दूसरे से अपने एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों दोनों एक दूसरे से अपने मन की बांधने करने सुनने लालों। 1976: इनमें से एक पथर एकदम



स्टेनोग्राफर एक अच्छा कॉरियर विकल्प

जिन युवाओं की इच्छा सरकारी नौकरी करने की है। उनके लिए स्टेनोग्राफी एक अच्छा कारियर विकल्प हो सकता है। यह 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद स्टेनोग्राफी कारियर का एक अच्छा बीत्र है। स्टेनोग्राफर के पद का वेतनमान आकर्षक होता है। यह कम खर्चीला भी होता है। स्टेनोग्राफर पर कार्यालय या संस्था के गोपनीय रिकॉर्डोंहीं को समालने का दायित्व रहता है। स्टेनोग्राफर अपने अधिकारी के प्रति विश्वासीय पद है। इस पद पर काम करना एक गरिमावूर्ण एवं चुनीतीवूर्ण है। अच्छी खासी तनखाह ऊपर से सरकारी नौकरी का रौब अलग। यही बातें हैं जो युवाओं को स्टेनोग्राफी की तरफ आकर्षित करती हैं, लेकिन इसमें कठीन मेहनत की आवश्यकता होती है।

स्टेनोग्राफ़ी आशय होता है गोक्षण लेखन
जिसे अंग्रेजी में स्टॉर्टहैट कहा जाता है एक
प्रकार की लेखन विधि होती है। इमारे देश
में स्टेनोग्राफ़र के पद अदालतों, शासकीय
कार्यालयों, मंत्रालयों, रेलवे बिभागों में होते
हैं। स्टेनोग्राफ़र का कोर्स करने के लिए कोई
परिव्रम की आवश्यकता होती है, वर्तोंकि इस
भाषा में शब्द गति होना आवश्यक है। एक
कृष्णल स्टेनोग्राफ़र बनने के लिए उस विधि
की भाषा का व्याकरण का ज्ञान होना अत्यंत
आवश्यक है। स्टेनोग्राफ़र बनने के लिए
100 शब्द प्रति मिनट तकी मति उत्तीर्ण करना
आवश्यक होता है। देश में विभिन्न संस्थाएं
स्टेनोग्राफ़र के कोर्स करवाए जाते हैं। देश
में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों आईटीआई
में भी स्टेनोग्राफ़र का एक वर्षीय कोर्स
करवाया जाता है। इन संस्थानों में 100
शब्द प्रति मिनट तकी मति से परिवाप्त भी ली
जाती हैं। इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने के
बाद आप स्टेनोग्राफ़र बन सकते हैं।

स्त्रीवाचार का भावना
पद्मार्पण पाठ

महत्पूर्ण पद
हर सरकारी दफ्तर में स्टेनोग्राफर के छह पद होते हैं। स्टेनोग्राफर गरिमापूर्ण पद होता है यद्योंकि उसकी नियुक्त विधानाध्यक्ष के निजी सदाचार के रूप में होती है। यह कार्यालय के गोपनीय वर्षा सम्मालन, डिवेशन कार्य और पीटासीन अधिकारी के प्रति विश्वसनीयता कायम रखने की विम्बेदारी संभालता है। स्टेनोग्राफर पद का वैतनमान भी आकर्षक है। यह द्वितीय श्रेणी का पद है। कृष्णल और तीव्र गति की स्टेनोग्राफी के माध्यम से सीधे ही राजपत्रित अधिकारी का पद भी प्राप्त किया जा सकता है जिससे ससद विधानसभा में ससदीय रिपोर्टर के पद नियुक्त प्राप्त की जा सकती है। यह छह आकर्षक पद होते हैं।

जरूरी योग्यता

स्टेनोग्राफर पद के लिए उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण होना तथा हिन्दी अंकां अंडोजी आशुलिपि में न्यूनतम 80 शब्द प्रति मिनट यी गति होना आवश्यक है। इस पद के लिए न्यूनतम 18 वर्ष तथा अधिकतम 27 वर्ष तक की आयु निर्धारित है, युव विभाग में अधिकतम आयु 35 वर्ष तक

ପ୍ରକାଶକ

स्टेनोग्राफर पद छी भर्ती सखद,
विवाह सभाओं, उच्चतम न्यायालय, उच्च
न्यायालयों, कर्मचारी वयन आदीग, राज्य
लोक सेपा आदीग, रेल्वे भर्ती बोर्ड,
अधीनस्थ सेपा वयन बोर्ड तथा अन्य
राजकीय उपकरणों के माध्यम से की जाती
है। इनके द्वारा वयनित अभ्यर्थियों का
पदस्थापन हेठली संविधालय, शासन
संविधालय, संसद, विधानसभाओं आदि
सरकारी कार्यालयों में राजकीय कर्मचारी
के रूप में किया जाता है। पॉलिटेक्निक
कॉलेजों में आवृन्दिक कार्यालय प्रबन्धन या
मार्डन ऑफिस मैनेजमेंट एमओएस ले रुप
में कोर्स करवाए जाते हैं। इसमें अशुद्धियों
के अलावा कम्प्यूटर, टेक्निक एवं लेखा से
संबंधित कोर्स भी सम्मिलित हैं। राज्य के
आधिकारिक पश्चिम राज्यालय संस्थान आईटीआई में
भी एक वर्षीय कोर्स करवाया जाता है।



अवसरों की भरमार है बैंकिंग क्षेत्र में

सम्बद्ध हैं जो की रिकियों को भरने के लिए एस दी आई द्वारा स्वयं चयन प्रक्रिया का ऊचालन फिरा जाता है।

लिया जा सकता है

वैकिंग स्पेशियलिस्ट ऑफिसर वैकिंग सेप्टर में बहुसंख्यक कमी पी ओ और वलेरिकल वर्ग के ही होते हैं, परन्तु इनके अलावा सास विधाओं में ट्रेड कमियों की भी सभी वैकिंग द्वारा नियुक्ति दी जाती है। इनमें इन्होंनेशन ट्रेवनोलोजी ऑफिसर (आईटी डिप्रीधारक), एयरीकल्चरल फॉल्ड ऑफिसर (एयरीकल्चर राइडर में ब्रेंजुएट), ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर (ह्यूमन रिसोर्स में एम बी पी/पर्सनल मैनेजमेंट में पोस्ट ब्रेंजुएट डिलोमा), लॉ ऑफिसर एल एल बी डिप्रीधारक), मार्केटिंग ऑफिसर (मार्केटिंग की विधा में ट्रेड), राजनीति अधिकारी आदि का आस तीर पर उछेख किया जा सकता है। इनके पदनामों से ही इनके कार्यकलापों के महत्व को समझा जा सकता है।

संलग्न

दैकिंग इंडस्ट्री की सैलरी और इनके भातों को एक समय में काफी आकर्षक माना जाता था लेकिन वैतनमानों में मुद्रारक्षीति की बढ़ती दरों के अनुसार संशोधन नहीं होने के कारण अब इनका आकर्षण कम हुआ है। बैंक कर्मी लगातार इस दिशा में संघर्षरत हैं और उम्मीद पी जाती है कि निलट भवित्व में दैकिंग इंडस्ट्री के वैतनमानों द्वा येहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाये जा सकते हैं। इसके बावजूद करिअर नियमित और स्थाई जॉब की दृष्टि से वह धोन्ह अभी भी गुणाओं की प्राथमिकताओं में काफी कूपर है।



कब लें कैरियर काउंसलर की सलाह

दरभाराल, करियर काउंसलिंग का सही समय वह है, इगर 1 वर्ष में सही सलोक्ट का युनायट न किया, तो पुरा करियर ही थू-टर्न हो सकता है। प्रेटेस को कव्य की पढ़ाई पर ध्यान तो देना ही चाहिए, जरूरत ढूँहे वह समझने की भी है कि कव्य की रुचि किन सलोक्टस में है और वह उनमें कैसा कर सकता है।

कानूनी रूप से यह भी देखना चाहिए कि यिन विषयों को पढ़ने में बच्चे का मन नहीं लगता। इसके बाद अधिकारक करियर के सम्बन्ध में बच्चे यीं मनव कर जाकर हैं लैंडिन आज यीं भागडौड़ भरी जिंदगी में पैरेंट्स बच्चों के लिए छिन्नना एक निकाल पाते हैं। यह सभीका मालूम है बच्चे का जिग्नात भले पैरेंट्स का पता हो, तोकिन वे अवश्य उसको प्रसंस्करण कर देंगे।

कैरियर की सलाह

समझने में चूक जाते हैं। शिर्फ किसी सब्जेक्ट में अच्छे नवाहर लाना उस सब्जेक्ट में बच्चों के आगे थेहतर करने की गारंटी नहीं है ऐरेट्स के लिए इस बात को समझना जरूरी है। डिजीनिश्यूरिंग-मैडिकल जैसे क्षेत्रों के प्रति केंद्र का ही यह नीतीजा है कि मन मुत्ताविक पढ़ाइंग न कर पाने की वजह से बच्चे तासाव में घिर जाते हैं। यहीं पर बच्चों यानी स्टूडेंट्स को काउंसलिंग की जरूरत होती है, ताकि उनके ऐरेट्स उनकी प्रतिशिखा को बहावान सके और उसे आपनी पसंद के रास्ते पर बढ़ने की इच्छा दे सके। वह कर्वां जल्दी नहीं है कि साइंस में 90 या 100 प्रीसेवी अंक लाने वाला जल्द साइंस स्ट्रीम ही पसंद करे। आज मैनेजमेंट में लाई नए सब्जेक्ट आ गए हैं। हो सकता है उसकी रुचि गणित में न हो, यद्यपि 10वीं के बाद पढ़ाई का टेवल अबानक हड्डी हो जाता है और अगर स्टूटेंट यही रुचि उसमें न हो, तो उसका प्रभावित होने लगता है। काउंसलिंग में इनी बातों को ऐरेट्स को समझाने की कोशिश ली जाती है। नए क्षेत्रों की जनकारी काउंसलिंग का एक सबसे बड़ा कायदा यह भी है कि काठसंतर आपको ऐसे सज्जेष्ट या उभरते क्षेत्रों के बारे में भी बताते हैं, जिनसे आप अनजान होते हैं। काउंसलिंग आपको मार्केट ट्रैड (डेस-रिपोर्ट) के बारे में बताते हैं और इन सबसे ऊपर आपको अच्छा हस्टीट्यूट बुनें से बदल करते हैं। सब्जेक्ट पसंद का होने से आप अपनी पसंद की राह पर बढ़ तो सकते हैं, लेकिन इस प्रकाशक व्यापारिकों के जापाने में उच्चे इन्स्टीट्यूट का बुनाव करके ही आप दूसरों पर बढ़ते ले सकते हैं। आज मैनेजमेंट में कई नए सब्जेक्ट आ गए हैं। इसी तरह लोंगों का बेत्र बढ़ गया है। फैशन टेक्नोलॉजी का बुधार और खुमार तो ही हो, खेल के क्षेत्र में हो रहा बुधार और कर्मांच से इस बेत्र में क्रिकेट के अलावा नए ऑफिशन पर भी उभरे हैं। एक काउंसलर की सलाह यहीं कारब्रर होती है।



उत्तराखण्ड की विद्युत उत्पादन का समय पहली बार देते हैं। जब बच्चे आगे लौट आये तो वह बुनने की इच्छा पर होते हैं। इसे आप हड्डी स्कूल (सेंट्रलरी) ही मानिए, यद्योंकि इसके बाद ही स्टडेंट्स के लिए रस्ती मैंज करना का समय होता है और वही प्रश्न

रास्ता है, जब उन्हें धोपर मा
की जरुरत होती है। पेरेट्स
इसी एज में कच्चे या करि-
संबंधी गाइड्स पोवाइड कर-
चाहिए। इससे उन्हें सही सद-
चुनाने में मदद मिलती है, वहीं
यह यह भी जान पाता है कि
किन विषयों में वार्कर्ड ठगना

डेस को रनी एट क रुझान है। फ्रॉफ़ेशनल क मरोवैज्ञानिक तरीके से व बातचीत करते हैं और मरोवैज्ञानिक या साइको टेरेट के आधार पर स्टडी टैलेट को समझाते हैं। अ हम कारियर कांडसलिंग पहुँचानने में दीरी कर देते

उत्तराखण्ड के अधिकारी ने कहा कि यह एक बड़ा विचार है। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ा विचार है। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ा विचार है।

